

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवम उपखण्ड अधिकारी ओसियों जिला जोधपुर

पीठासीन अधिकारी :- रतनलाल रेगर (आर ए एस)

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या :- /2019

प्रार्थी :-

सताराम पुत्र श्री अचलाराम जाति जाट निवासी ग्राम जसनाथपुरा थोब तहसील ओसियों जिला जोधपुर।

बनाम

प्रतिवादीगण :-

1. जोगाराम पुत्र श्री अचलाराम
2. पूर्णाराम पुत्र श्री अचलाराम
3. नैनाराम पुत्र श्री अचलाराम
4. चौथी पत्नी श्री अचलाराम
5. कानाराम पुत्र श्री लिखमाराम
6. अमराराम पुत्र श्री लिखमाराम सभी जाति जाट निवासी ग्राम जसनाथपुरा तहसील ओसियों जिला जोधपुर
7. सरकार जरिये तहसीलदार ओसियों

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम

उपस्थिति :-

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री रामाकिशन सियाक

अप्रार्थी सरकारी पैराकार उपस्थित

--निर्णय --

दिनांक 10/12/19

प्रार्थी की ओर से प्रार्थना पत्र इस आशय का पेश किया कि प्रार्थी एवम अप्रार्थीगण एक ही गाँव जसनाथपुरा थोब के स्थाई निवासी हैं इनकी पैत्रिक भूमि तात्कालीन राजस्व ग्राम थोब एवम वर्तमान नवसृजित ग्राम एवाल की धोरा तथा जसनाथपुरा में आई हुई है। प्रार्थी एवम अप्रार्थीगण की संयुक्त खातेदारी भूमि ग्राम एवाल की धोरा के खसरा संख्या 141 व 140 एवम जसनाथपुरा के खसरा संख्या 834, 835, 880, 881, 930 व 932 की आई हुई है। गाँव एवाल की धोरा के खसरा संख्या 141 में प्रार्थी का नाम सताराम पुत्र श्री अचलाराम दर्ज है तथा खसरा संख्या 140 में अन्य सहखातेदारों के साथ सताराम की जगह सम्पतराम व इसी तरह गाँव जसनाथपुरा के खसरा संख्या 834, 835, 880, 881, 930 व 932 में सताराम पुत्र श्री अचलाराम की जगह सम्पतराम दर्ज है जो गलत है प्रार्थी का सही नाम सताराम है जो बैंक खाता डायरी, पैन कार्ड, डाईविंग लाईसेंस, भामाशाह कार्ड, आधार कार्ड वोटर कार्ड सभी में सताराम पुत्र श्री अचलाराम दर्ज है। प्रार्थी के पिता अचलाराम का स्वर्गवास सम्वत 2037 में हो गया। उस समय प्रार्थी की आयु 07-08 वर्ष की थी राजस्व रिकॉर्ड का ध्यान था। अब बैंक ऋण वगैरह में राजस्व रिकॉर्ड में गलती का अहसास होने पर प्रार्थी का ज्ञान हुआ है। प्रार्थी के राजस्व रिकॉर्ड में गलत नाम की वजह से कृषि ऋण अनाज बचन पर मण्डी में व सभी तरह के भूमि से सम्बन्धित कय विक्रय में गलत नाम की वजह से परेशानी हो रही है। प्रार्थी का नाम राजस्व रिकॉर्ड में हल्का पटवारी की भूल या सहवन से

दर्ज है जो जरिये शुद्धि पत्र शुद्ध किए जाने योग्य है। उक्त भूमि ग्राम एवाल की धोरा के खसरा सख्या 141 में नाम सही सताराम पुत्र श्री अचलाराम एवम एवाल की धोरा के खसरा सया 140 गलत रूप से सम्पतराम व इसी तरह गौव जसनाथपुरा की खातेदारी भूमि में सम्पतराम अलग अलग हल्का पटवारी की गलती या भूलवश दर्ज हुआ जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विपरीत है जो शुद्ध किए जाने योग्य है। अन्त में प्रार्थी द्वारा ईस्तदुआ चाही कि प्रार्थी की खातेदारी भूमि गौव एवाल की धोरा के खसरा सख्या 140 एवम जसनाथपुरा के खसरा सख्या 834, 835, 880, 881, 930, 931, 932 में दर्ज नाम सम्पतराम के स्थान पर गौव एवाल की धोरा के खसरा सख्या 141 में दर्ज नाम सताराम की तरह नाम सताराम दर्ज किया जावे। प्रार्थी द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र के समर्थन में शपथपत्र पेश किया।

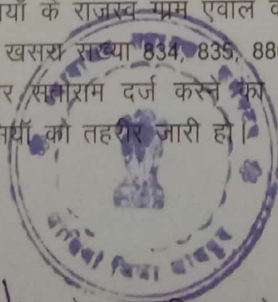
प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया अप्रार्थी सरकार पैराकार की ओर से जबाब प्रार्थना पत्र पेश हुआ तथा जब प्रार्थना पत्र में प्रार्थी के प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को स्वीकार करते हुए सम्पतराम व सताराम एक ही व्यक्ति होना बताया तथा उक्त खसरान की भूमि में सही नाम सताराम दर्ज करने की अनुसंशा की व प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करने की ईस्तदुआ चाही।

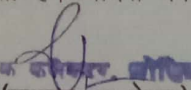
बहस उभय पक्षकार सुनी गई अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा अपनी बहस में प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया कि प्रार्थी के प्रार्थना पत्र का अप्रार्थी की ओर से कोई खण्डन नहीं है तथा सरकारी पैरोकार द्वारा प्रार्थना पत्र स्वीकार करने की अनुसंशा की है तथा प्रार्थी अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत पहचान सम्बन्धी दस्तावेजों के अवलोकन बाबत अनुरोध किया तथा बताया कि एवाल की धोरा के खसरा सख्या 141 में प्रार्थी का वास्तविक व सही नाम दर्ज है लेकिन अन्य खसरान की भूमि में उक्त नाम त्रुटिपूर्ण दर्ज है।

पत्रावली का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया चूंकि प्रार्थी के प्रार्थना पत्र का अप्रार्थीगण की ओर से कोई विरोध नहीं किया गया है तथा प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत पहचान सम्बन्धी दस्तावेजों में सताराम पुत्र श्री अचलाराम है जो प्रार्थी के ही है केवल मात्र राजस्व रेकॉर्ड में त्रुटि से उक्त सम्पतराम दर्ज है जो अशुद्ध है लिहाजा उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

—:आदेश :-

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम स्वीकार किया जाता है तथा तहसील ओसियों के राजस्व ग्राम एवाल की धोरा के खसरा सख्या 140 एवम राजस्व ग्राम जसनाथपुरा के खसरा सख्या 834, 835, 880, 881, 930, 931, 932 में प्रार्थी का नाम सम्पतराम के स्थान पर सताराम दर्ज करने का आदेश दिया जाता है। आदेश की पालना हेतु तहसीलदार ओसियों को तहरीर जारी है।



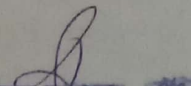

(रतनलाल रेगर)

आर.ए.एस

सहायक कलेक्टर ओसियों

आदेश आज दिनांक 10/12/19 को हस्ताक्षरित करके खुले न्यायालय सरेईजलास सुनाया गया।




(रतनलाल रेगर)

आर.ए.एस

सहायक कलेक्टर ओसियों